VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three*** *Hours*

टेस्ट कोड / Test Code : 2488

अधिकतम अंक: ***250***
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 287335

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : BHARTI SAHU

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

निबंध
ESSAY

तारीख
Date
25/08/2023

केंद्र
Centre
Vision
Karol bagh Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	टेस्ट कोड : 2488	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	Test Code : 2488	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

1. 'टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

कुछ वर्ष पूर्व ही बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली। उसका कारण उनका अवसाद ग्रसित होना था। मानसिक उपचार के बावजूद भी वे जीवन में इतने हतोत्साहित हो गये कि अवसाद से बाहर निकलने की जगह उन्होंने जीवन को ही समाप्त करने का विकल्प चुन लिया।

वहीं अभिनेता आमीर खान की फिल्म तारे जमीं पर एक मानसिक बीमारी से ग्रसित बच्चे की कहानी है। जिसमें बताया गया

कि कैसे वह बच्चा उस बीमारी के बावजूद सही वातावरण मिलने पर अपने आप को ~~मजबूत~~ विकसित करता है और अपने अंदर छिपी प्रतिभा को निखारता है।

उपर्युक्त दोनो कहानी इस निबंध की उक्ति "टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।" को वास्तविकता में प्रतिबिम्बित करती है। परन्तु इस विषय पर गहन विश्लेषण करने से पूर्व ~~यह~~ कुछ प्रासंगिक प्रश्नों का प्रभावी उत्तर जान लेना आवश्यक है कि एक टूटा हुआ वयस्क कौन है? इसकी मरम्मत से क्या तात्पर्य है? मजबूत बच्चा कौन है? इसका निर्माण कैसे होता है? टूटे हुए वयस्क की मरम्मत तुलना में मजबूत बच्चे का निर्माण क्यों आसान है? और अंतिम प्रश्न कि क्या टूटे हुए वयस्क की मरम्मत वास्तव में आसानी से नहीं की जा सकती?

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सर्वप्रथम 'टूटे हुए वयस्क' से आशय है जीवन में हतोत्साहित, निराशावादी, अवसाद ग्रसित, ईर्ष्या, द्वेष जैसे नकारात्मक विचारों से परिपूर्ण वयस्क है। जीवन के कुछ पड़ावों में इन विचारों से ग्रसित हो जाता है और जीवन के सकारात्मक पहलू को देखने की बजाय हीनताग्रंथि से युक्त केवल नकारात्मक पक्ष को ही देखता है।

आज के बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जहां आधुनिकतावाद, उपभोग वादी संस्कृति, प्रतिस्पर्धा जैसे विचार चरम स्तर पर है यही वयस्कों को एक 'टूटे हुए वयस्क' के रूप में परिवर्तित करने के लिए अधिक उत्तरदायी है।

इसके अतिरिक्त अन्य कारण उसके स्वयं के पारिवारिक, मित्रता संबंधी, प्रेम संबंध व जीवन में स्वयं की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरना इत्यादि है जो उसे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक टूटे हुए वयस्क के रूप में तब्दील करते है। सोशल मीडिया ने तो जैसे मनुष्य की आंतरिक रचनात्मकता, प्राकृतिक रूप से एकांत के स्थान पर उसे 'अकेलापन' वाली दुनिया में ला दिया। एक कवि ने खूब कहा है-

'हर जगह बेशुमार आदमी, फिर भी क्यों तन्हा आदमी।'

अब विश्लेषण करते है कि 'मरम्मत से क्या तात्पर्य है? इसका सटीक जवाब यही होगा कि जिस प्रकार किसी ~~घाव~~ गंभीर घाव को भरने के लिए औषधि का उपयोग किया जाता है वैसे ही एक टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने के लिए प्रेम, सकारात्मक विचार, साहस, उत्साह, अनुनय, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आत्मप्रेरणा जैसी आशावादी औषधि का प्रयोग किया जाता है।

इसकी मरम्मत परिवार, मित्र, समाज व अन्य सगे संबंधी करते है इसके साथ ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षण संस्थानो पर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भी व्यक्ति की मानसिक प्रवृत्ति को परिवर्तित करने का प्रयास किया जाता है। अवसाद ग्रसित होने पर चिकित्सक का परामर्श भी 'मरम्मत' के समान ही होता है। इसके अतिरिक्त योग, ध्यान, फिल्में, प्रेरणादायक कहानी, रोल मॉडल इत्यादि इसमें प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए अब निबंध के दूसरे पक्ष पर विचार करते है कि मजबूत बच्चा कौन है? यहां 'मजबूत बच्चे से आशय है एक साहसी, आशावादी, उत्साह से पूर्ण, सकारात्मक दृष्टिकोण वाले बच्चे से है।

इसका निर्माण उसी प्रकार होता है जैसे एक बीज का पौधा बनने पर होता है जिस प्रकार के खाद रूपी विचार बच्चे की परवरिश में दिये जाएंगे वह उसी प्रकार अंकुरित होगा जैसे एक हरा भरा वृक्ष होता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ऐतिहासिक और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसे कई उदाहरण है जो यह बताते है कि मजबूत बच्चे का निर्माण किस प्रकार होता है। एक सर्वप्रसिद्ध उदाहरण वैज्ञानिक एडीसन का है जिन्हे क्षीण बुद्धि का समझने के कारण विद्यालय से निकाल दिया गया था परन्तु उनकी माता के आत्मविश्वास, दृढ़ता व साहस जैसे गुणों से परिपूर्ण होने पर वे महान वैज्ञानिक बन पाये।

चर्चा के क्रम में अगला और निबंध का मुख्य भाग कि 'टूटे हुए वयस्क की मरम्मत की तुलना में एक मजबूत बच्चे का निर्माण क्यों आसान है? दुष्यंत कुमार की इन पंक्तियों से प्रारंभ करते है -

'हो गयी पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए,
सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि सूरत बदलनी चाहिए।

ये पंक्तियां इसी वास्तविकता को ही तो चारितार्थ करती है कि 'एक मजबूत बच्चा किस तरह साहस, उत्साह, आशा से भरा होता है जिसका निर्माण उतना ही आसान होता है जैसे एक कोरे कागज' पर लिखना।

अर्थात बच्चा स्वभाव से निश्छल, द्वेष रहित, गैर पक्षपाती, निर्मल विचारों से परिपूर्ण होता है जिसे आसानी से किसी भी ढांचे में परिवर्तित किया जा सकता है। अब्दुल कलाम ने तो देश का भविष्य ही बच्चों की अच्छी परवरिश को बताया है -

मेरा विश्वास है कि किसी देश को सुंदर मन वाला और भ्रष्टाचार बनाना है तो ऐसा तीन व्यक्ति ही कर सकते है - माता, पिता, शिक्षक।

इसी प्रकार कौटिल्य ने अच्छे विचारो व परवरिश से एक सामान्य से लड़के को मगध साम्राज्य का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य बना दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अब टूटे हुए व्यक्ति की मरम्मत करना देखे तो वह इसलिए कठिन प्रतीत होती है क्योंकि एक वयस्क जीवन के अनुभवों से इतना हीनताग्रंथ हो जाता है कि वह स्वयं को परिवर्तित करने में आलसी प्रवृत्ति का हो जाता है जिसमें साहस, जोश का अभाव होता है। एक कवि की निम्न पंक्तियां मनुष्य की आलसी प्रवृत्ति को बताती-

"अजगर करे ना चाकरी, पंछी करे न काम, दाता मलूक कह गये, सबके दाता राम।"

अत: 'टूटा हुआ वयस्क एक बंजर भूमि के समान हो जाता है जिसे फिर से उर्वर करने में अधिक धैर्य, समय और कठिनाई लगती है क्योंकि वह सभी नकारात्मक विचारों से परिपूर्ण रहता है।

इसी कारण वह अपराध ग्रसित, आत्महत्या जैसे कदम उठाता है। उदा. के लिए दिव्या अपने जीवन में इतना हतोत्साहित हो गया था कि अंत में जीवन को समाप्त

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कर लेने का आसान रास्ता चुन लिया।

उपर्युक्त सभी प्रश्नों के जवाब समझ लेने के बाद तस्वीर के दूसरे पहलू के समान इस निबंध के दूसरे पक्ष को भी समझना आवश्यक है।

वास्तव में टूटे हुए व्यक्ति की मरम्मत भी उतनी ही आसानी से की जा सकती है जैसे एक मजबूत ढ़ाँचे का निर्माण किया जाता है।

जिस प्रकार पर्यावरण में प्राथमिक अनुक्रमण की तुलना में द्वितीय अनुक्रमण की प्रक्रिया जल्दी ही पूरी होती है उसी प्रकार एक 'टूटे हुए वयस्क' की मरम्मत भी होती है। इसके लिए सामाजिक प्रभाव, अनुनय, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, प्रशिक्षण इत्यादि का सहारा लिया जा सकता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसे कई वयस्कों के उदाहरण है जो जीवन से हतारा, निराशावादी

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

नकारात्मक विचारों वाले टूटे हुए तथ्य के समान थे परन्तु उचित मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक उपचार द्वारा मरम्मत की अर्थात् नवीन विचारों का समावेश किया।

बॉलीवुड की अभिनेत्री दीपिका पादुकोण कई वर्षों तक अवसाद में रहने के बाद भी अच्छे उपचार के द्वारा एक अच्छा जीवन जी पायीं। उसी प्रकार माइकल फिलिप्स महान सफलता उसके बाद फिर अपराध, मादक असफलता जैसे निराशावादी दौर से गुजरने के बाद पुनः सर्वाधिक गोल्ड मेडल लेने वाले खिलाड़ी बने।

निष्कर्ष: किसी टूटे व्यक्ति की मरम्मत स्वामी विवेकानंद, अब्दुल कलाम जैसे प्रेरणादायक लोगों के विचारों द्वारा की जा सकती है यह आपर एक मजबूत बच्चे के निर्माण की तुलना में आसान भले ही न हो परन्तु असंभव नहीं है समय साहस व धैर्य वान रहकर एक टूटे

हर युवक /वयस्क में नवीन विचारों, उत्साह, आशा का समावेश कर उसे पुर्नजीवन दिया जा सकता है। एक कवि की निम्न पंक्तियां इस विचार को सटीकता से प्रतिबिम्बित करती है -

" इस नदी में ठंडी धारा आती तो है
नाव जर्जर ही सही लहरों से टकराती तो है
एक चिंगारी कहीं से ढूंढ लाओ यारो
इस दीये में तेल से भीगी बाती तो है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

(8) "अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नही देगी।"

"माना अंधकार घना है
पर दीया जलाना कहां मना है,"

उपर्युक्त पंक्तियां वास्तविकता में जीवन के दो पक्ष रोशनी और छाया (अंधकार) को अप्रस्तुत अर्थों में प्रस्तुत करती है। किसी व्यक्ति के जीवन के दो पक्ष होते है एक ~~रोशनी~~ आशा रूपी रोशनी वाला और दूसरा निराशा रूपी छाया वाला।

इन पक्षों पर विस्तार से चर्चा इन पंक्तियों के अप्रस्तुत अर्थ को समझने के साथ ही इस निबंध के विषय 'अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।' पर गहन विश्लेषण से करेंगे।

इस विश्लेषण पर आगे बढ़ने से पूर्व विषय के मुख्य व प्रासंगिक भागों का वास्तविक अर्थ समझ लेना अति आवश्यक होगा जैसे 'चेहरे' से क्या तात्पर्य है? 'रोशनी क्या है? 'चेहरा रोशनी की ओर क्यों रखना है? छाया क्या है? और वह क्यों नहीं दिखाई देगी? अंतिम प्रश्न कि वास्तविकता में चेहरा रोशनी की ओर रखने से छाया नहीं दिखाई देती है?

सर्वप्रथम 'चेहरे' से तात्पर्य है हमारा दृष्टिकोण, विचार अभिव्यक्ति से है वहीं 'रोशनी' से तात्पर्य है जीवन के

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सकारात्मक पहलू, आशावाद, साहस, उत्साह, इत्यादि पक्षों से है।

अब अगर इस विषय को समझें कि 'चेहरा रोशनी' की ओर रखने के क्या मायने है तो इसे व्यक्तिगत से लेकर समाज व राष्ट्र के स्तर पर भी देश सभी आयामों में समझ सकते है।

पर इससे पूर्व ही विषय के दूसरे भाग 'छाया' को समझना आवश्यक होगा। यहां छाया से तात्पर्य है जीवन के निराशावादी, हतोत्साहित, हीनताग्रंथि से युक्त व नकारात्मक विचारों वाले पक्ष से है।

अब निबंध के मुख्य भाग पर ~~विचार~~ विस्तार से विश्लेषण करते है कि चेहरा रोशनी की ओर रखने से पूर्व कोई छाया क्यों नहीं दिखाई देगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक समय की बात है जब पूरा यूरोप मध्य काल के अंधकार के युग में था। चर्च की धार्मिक रूढ़िवादिता, सामाजिक विषमता इत्यादि चरम पर थे परन्तु तब ही अरस्तू, प्लेटो, सुकरात जैसे दार्शनिकों के जीवन के सकारात्मक व प्रेरणादायक विचारों से रोशनी की ओर चेहरा करवाया अर्थात् धार्मिक-सामाजिक पुर्नजागरण का रास्ता दिखाया जिससे आधुनिक विचारों का समावेशन हुआ।

भारत में २०० वर्षों की ब्रिटिश गुलामी से भारतीय जनता त्रस्त हो गयी थी परन्तु महात्मा गांधी जैसे महान राजनेता की सकारात्मक अभिवृत्ति ने जनता को गुलामी से मुक्त कराकर 'आजादी' की रोशनी दिखाई।

दूसरे ~~स्तर~~ आयाम को देखें तो एक समय पूरा विश्व राजशाही, तानाशाही

www.visionias.in

अलोकतांत्रिक जैसे विचारों, रंगभेद भेदभाव (गोरे-काले) जैसे विचारों से ग्रस्त था। तभी तो अब्राहम लिंकन, नेल्सन मंडेला जैसा महान विचारकों ने लोकतांत्रिकरण की नींव के साथ साथ रंगभेद जैसी छाया से मुक्त कर लोगों को समानता, न्याय, बंधुत्व जैसी रोशनी को दिखाया।

एक अन्य आयाम आर्थिक महामंदी, कृषि उत्पादकता मे कमी, गरीबी, बेरोजगारी रूप में छाया का था परन्तु हरित क्रांति, समाजवादी मॉडल, मनरेगा योजना जैसे कई सकारात्मक पहलुओं ने जीवन में रोशनी दिखाई।

इसी प्रकार भिन्नता का एक स्तर सामाजिक पहलुओं का भी है। जब भारत जाति, धर्म, वर्ग के आधार पर

भेदभाव से ग्रसित, सती प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों से ग्रसित था तब ही राजा राममोहन राय, भीमराव अंबेडकर, स्वामी विवेकानंद जैसे महान धार्मिक-सामाजिक सुधारकों ने जीवन के दूसरे पक्ष 'रोशनी' अर्थात महिला प्रति सम्मान, जाति समानता, सहिष्णुता इत्यादि के माध्यम से अंधविश्वास व कुरीति की छाया को दूर किया।

भिन्नता का एक अन्य आयाम और भी है जिसे जहां चेहरा रोशनी की ओर रखने व छाया नहीं दिखने की उक्ति को चरितार्थ करता है। जिसमें महान वैज्ञानिक एडीसन की कहानी है जिसने हजार असफलताओं

के बावजूद जीवन के सकारात्मक दृष्टिकोण से अंततः बल्ब का आविष्कार कर पूरे विश्व को रोशन किया।

इसी प्रकार इसरो की सफलता की कहानी जहां साइकिल पर प्रक्षेपण यान ले जाने से शुरु हुआ यह सफर आज चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 के सफलता पूर्वक पूरे होने की कहानी बताता। इसमें विक्रम साराभाई, अब्दुल कलाम आजाद इत्यादि वैज्ञानिकों के 'रोशनी' वाले दृष्टिकोण ने 'घाव' से ध्यान हटाया।

एक अन्य स्तर पर देखें तो पर्यावरण भी है जहां चिपको आंदोलन, सलीम अली जैसे पक्षी प्रेमी, ग्रेटा थनबर्ग जैसे जलवायु परिवर्तन के जागरुक

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

लोगों ने पर्यावरणीय रूप से रोशनी अर्थात् पर्यावरण संरक्षण, जीव प्रेम को सिखाया व छाया से ध्यान हटाया।

उपरोक्त पक्षों को समझने के पश्चात् इस विषय के दूसरे पक्ष पर भी विचार करना आवश्यक है कि क्या वास्तव में चेहरा रोशनी की ओर रखने से छाया नहीं दिखाई देती। तो इसका जवाब यही होगा कि यह उतना सत्य प्रतीत नहीं होता। इसे हम व्यक्तिगत, सामाजिक व राष्ट्रीय स्तर पर समझ सकते है।

व्यक्तिगत स्तर पर देखें तो किसी भी महान लक्ष्य को हासिल करने में व्यक्ति के जीवन में छाया रूप में कई बाधाएं, असफलताएं, निराशा, वेदना इत्यादि दिखाई देती है। जैसे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पार कर ही सफलता मिलती है। अब यह उस व्यक्ति के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि वह 'छाया' (निराशा, पराजय) पर अधिक ध्यान केन्द्रित करे या 'रोशनी' वाले पक्ष पर अधिक ध्यान दे।

इसी प्रकार सामाजिक स्तर पर देखे तो समाज में सहिष्णुता, समानता, बंधुत्व जैसे 'रोशनी' पक्ष के अतिरिक्त संप्रदायिकता, जाति भेदभाव, अपराध, महिला भेदभाव इत्यादि छाया रूपी पक्ष भी समांतर उपस्थित है।

अब यह भी समाज पर निर्भर करता है कि वह इन नकारात्मक कुरीतियों 'छाया' रूपी विचारों से कैसे समाज को रोशनी की ओर ले सकता है।

राष्ट्र के स्तर पर देखें तो राजनीति अपराधीकरण, भ्रष्टाचार, आंतकवाद, आर्थिक विषमता, मानव जीव संघर्ष, बढ़ता तापमान इत्यादि 'छाया' रूपी समस्या से ग्रसित है जो राष्ट्र के रोशनी रूपी आर्थिक संवृद्धि, समानता इत्यादि के समांतार है।

यह राष्ट्र पर निर्भर करता है कि कैसे इन समस्याओं को दूर कर 'रोशनी' की ओर राष्ट्र को उन्नत कर सकता है।

निष्कर्षतः चेहरा रोशनी को ओर रखने से छाया दिखाई नहीं देगी यह तो सत्य नहीं है परन्तु अगर इस छाया पर अधिक ध्यान केन्द्रित न कर सिर्फ रोशनी के पक्ष पर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ध्यान दिया जाये तो सफलता, आर्थिक सामाजिक विकास, समावेशी विकास, सतत् विकास लक्ष्य, लोकतांत्रिक संवैधानिक आदर्शों को प्राप्त किया जा सकता है। यही व्यक्तिगत, सामाजिक व राष्ट्र के संपूर्ण विकास का आयाम है। एक कवि की पंक्ति इसे सही चरितार्थ करती है।

कोशिश कर तो हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

① भविष्य
② मध्य
③ ...

साहित्य — विद्यार्थी, दृष्टि, लेखक

चेहरा — दृष्टिकोण, विचार, पक्ष
रोशनी — सकारात्मक, उत्साह, आशा
क्यों रखना है? — सफलता, समृद्धि
छाया — नकारात्मक पहलू

पक्ष — ऐतिहासिक, राजनीति, आर्थिक, सामाजिक - पुनर्जागरण

आर्थिक उदारीकरण, समृद्धि, ...
सामाजिक — पुनर्जागरण (राजा राममोहन राय)
पर्यावरण — चिपको आंदोलन
वैज्ञानिक / तकनीकि

परन्तु दूसरा पक्ष सिर्फ रोशनी की तरफ रखने से छाया

- गलतियां
- कमियां
- सामाजिक बुराइयां
- जाति
- नारीवाद
- दहेज

व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय — जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, आर्थिक विषमता, राजनीति अपराधीकरण

निष्कर्ष — सतत विकास तथ्य, समावेशी दर्शन — सुकरात, अरस्तू

उदाहरण — महात्मा बुद्ध, ... — आकृति

① सुशांत सिंह राजपूत

SPACE FOR ROUGH WORK

तारे जमीं पर
फिल्म में बच्चा
मानसिक

टूटे हुये व्यक्ति — हिटलर
मजबूत बच्चा — चंद्रगुप्त मौर्य — एडीसन

② टूटा हुआ व्यक्ति कौन
③ परम्मत से तात्पर्य
④ मजबूत बच्चा कौन — कलाम, चंद्रगुप्त, एडीसन, धोनी
⑤ निर्माण क्या? — हो गयी पीर पर्वत
⑥ तुलना

टूटे की मरम्मत

① हो गयी पीर
② इस नदी में
③ अनगढ़ मैं न चाहती

⑦ टूटा हुआ व्यक्ति भी मरम्मत — प्राथमिक अनुक्रमण — माइकल फेल्प्स — दीपिका पादुकोण → इस नदी में

छाया ✗ रोशनी

इस देश को सुंदर

जो बैठे
चेहरा रोशनी की ओर

① मैंने जब जब देखा लोहा देखा, लोहे जैसे चलते

song → आशाएं — लक्ष्य दिल है छोटा सा

बादल में सोना
① रोशनी क्या है?
② चेहरा रोशनी की ओर क्यों रखना
③ कोई छाया क्या है?
④ दिखाई क्यों नहीं देती

Story ✗
① ② कहाँ है प्राण
③ रोशनी छाया Poem / Poem

रोशनी सब कंदील — छाया
चित्र मनोरमा गांधी — महात्मा गांधी

रोशनी करने वालों की आती कर्म
सकारात्मक पथ जीवन
③ विवेकानंद
महात्मा बुद्ध — गांधी

अंधकार घना है पर दिया जलाना कहां मना है।

① अपने घर के दिये की

SPACE FOR ROUGH WORK

टूटे हुआ तरुक की मरम्मत

तुलना

Intro – Story

मजबूत बच्चे हैं कुछ

एडीसन – मजबूत बच्चा

निर्माण

टूटा हुआ वयस्क

निराश

हतोत्साहित

Negative

एक पेड़ द्वारा बाँधा

मजबूत बच्चा

मन विफल

अब्दुल कलाम

स्वामी विवेकानंद

हिटलर – आत्महत्या

Intro – एडीसन को स्कूल से निकाल दिए जाने के बाद मां ने कहा कि

बच्चों movie तारे जमीं पर

इतिहास

हिटलर

वीर

टूटा हुआ तरुक

मजबूत बच्चा

Story – एडीसन बच्चा

हिटलर – टूटा हुआ वयस्क

टूटा हुआ वयस्क कौन

निराशा / हताश

कमजोर

कायर

नकारात्मक

आलसी

पर्यावरण Story

मरम्मत करना क्यों आसान नहीं?

मजबूत बच्चा कौन

टूटे हुए वयस्क की तुलना में मजबूत बनाना क्यों आसान